सऊदी अरब, यूएई से 155 एमएम गोलों का बड़ा ऑर्डर मिलने से आई तेजी

कानपुर में बनेंगे 155 एमएम तोपों के गोले

तैयारी

■ सुहेल खान

कानपुर। भारतीय आयुध निर्माणियों की धाक अब दुनिया में भी जमने लगी है। भारतीय सेना के साथ मिडिल ईस्ट के देशों से हुए रक्षा सौदों के क्रम में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कानपुर में अगले साल से 45 किमी दूरी तक मार करने वाली 155 एमएम तोपों के गोले बनने लगेंगे। अभी यहां पर 25 से 30 किमी मारक क्षमता वाली तोपों के गोले तैयार होते हैं।

रक्षा मंत्रालय के डीपीएसयू एडब्ल्यूईआईएल (एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड) की अर्मापुर स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कानपुर (ओएफसी) में भारी भरकम गोले बनाने के लिए फोर्जिंग प्लांट बनना शुरू हो गया है।

नागपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री पर नहीं होगी निर्भरता : अभी तक अधिक मारक क्षमता वाली तोपों के गोलों की मांग पर ओएफसी की नागपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री अंबाझारी पर निर्भरता होती है। ओएफसी का शेल फोर्ज प्लांट 105 एमएम और 125 एमएम की तोपों के गोलों का निर्माण करता है। बोफोर्स तोप 27 से 28 किमी दूरी तक मार करती है। इसके शेल फोर्ज ओएफसी में बनते हैं। धनुष, पिनाक और हॉवित्जर सिस्टम वाली तोपें 45 किमी मार करती हैं। इसके गोले 155 एमएम आर्टिलरी के होते हैं। यह बड़ी मशीनों वाले शेल फोर्ज प्लांट में बनते हैं। एडब्ल्यूईआईएल के अस्थायी कार्यभार अधिकारी संदीप कन्हाई के ओएफसी में नए शेल फोर्ज प्लांट के बेसमेंट का उद्घाटन करने के बाद इसका निर्माण शुरू हो गया है। अफसरों के मुताबिक 2025 में कानपुर का यह आधुनिक प्लांट बन जाएगा। नए शेल फोर्ज प्लांट के बेसमेंट में अत्याधुनिक मशीनें लगेंगी।

135 एमएम तक गोले बना रही फैक्ट्री, अगले साल से 155 एमएम के गोले बनेंगे

125 एमएम से अधिक क्षमता के गोलों की मांग नागपुर से होती है पूरी

मिडिल ईस्ट से मिले गोलों के ऑर्डर से बढ़ी मांग

यूएई भारत से 155 एममएम तोप के गोले खरीदता है। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से 2017 और 2019 में यूएई ने 40 हजार और 50 हजार 155 मिमी तोपखाने के गोले खरीदे थे। यह करीब 86 मिलियन डॉलर का ऑर्डर था।

45 किलो का होता है 155 एमएम गोला

155 एमएम राउंड के गोले का आकार बहुत बड़ा होता है। इसमें डेटोनेटिंग फ्यूज, प्रोजेक्टाइल, प्रोपेलेंट और प्राइमर जैसे प्रमुख हिस्से होते हैं। हरेक गोला 155 मिमी या 6.1 इंच व्यास का होता है।